



राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय
NATIONAL SCHOOL OF DRAMA
(An Autonomous Institution of the Ministry of Culture, Govt. of India)



Ministry of Culture
Government of India

75
Years of
Constitution



टिची टीटा टोटो तुरु



12 FEB 2025

6:30 PM

निर्देशक : जयंत राभा

समूह : थिएटर-इन-एजुकेशन कंपनी (संस्कार रंग टोली),
राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय

भाषा : हिन्दी

अवधि : 60 मिनट

In Collaboration with

Government of Tripura

राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय, नई दिल्ली

ई-मेल: festivalcell@gmail.com | Web: www.brm.nsd.gov.in



नाटक

टिची टिटा टोटो टुरु एक ऐसा युक्ति नाटक है, जिसे विदूषकीय रूप में विकसित किया गया है, जो स्कूल, घर, समाज और बच्चों के बीच के अंतर्संबंध को दर्शाता है। टिल्लू एक 9 वर्षीय होनहार छात्र है, जो स्कूल और घर के बीच संतुलन बनाने की कोशिश कर रहा है। वर्तमान और भविष्य के सपनों के बीच वह अपने बचपन को तलाशता है। नाटक में दिखाया गया है कि टिल्लू को स्कूल में बड़े बच्चों द्वारा तंग किया जाता है और वह अपने मध्यम वर्गीय परिवार के सपनों से दूर चला जाता है।

यह नाटक आधुनिक समाज में उच्च वर्ग और निम्न वर्ग के बीच के अंतर पर भी प्रकाश डालता है। उपभोक्तावाद के वर्तमान युग में बच्चे विज्ञापनों से प्रभावित होकर अपना आत्मविश्वास बढ़ाने के लिए विभिन्न प्रकार के उत्पादों का उपयोग कर रहे हैं और परिणामस्वरूप स्वयं अपना आत्मविश्वास खो रहे हैं तथा बाहरी दिखावे के कारण आंतरिक सुंदरता को नजर अंदाज कर रहे हैं।

इतना सब होने के बावजूद नाटक यह दर्शाता है कि जीवन का हर पल खुशियों के रंगों से भरा होना चाहिए, हँसते-मुस्कुराते रहना चाहिए।

निर्देशक

असम के उदलगुरी जिले में 1990 में जन्मे जयंत राभा ने 2018 में राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय से अभिनय में स्नातक करने के बाद भारतीय फिल्म एवं दूरदर्शन संस्थान पुणे से फिल्म और टेली-विज्ञान एप्रिसिएशन कोर्स किया। उन्होंने शास्त्रीय संगीत में विशेषज्ञता हासिल की है और 2018 से राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय की संस्कार रंग टोली में एक कलाकार/शिक्षक के रूप में जुड़े हुए हैं। वह अब तक 30 से ज़्यादा नाटकों में अभिनय कर चुके हैं। संस्कार रंग टोली (थिएटर इन एजुकेशन) में रहते हुए उन्होंने ग्रुप लीडर के तौर पर ब्लैक रेन, वेव, सीन-अनसीन, डॉस ऑफ़ द डाइस जैसे नाटकों का निर्देशन किया है। इसके अलावा उन्होंने भोहाग माथो अती ऋतु नोहोई, होंग्राम, भूख, हिकोली, पगला घोड़ा, होमांधोर आन अती नाम, रूपालिम, अती ऋतुरे का भी निर्देशन किया है। उन्होंने शेक्सपियर के मिड-समर नाइट्स ड्रीम पर आधारित नाटकों का निर्देशन किया है। इसके अलावा उन्होंने एक लघु फिल्म दुति मोन का भी निर्देशन किया है! उन्होंने 2017 में एक रंग समूह 'द कैनवस-ए फ्रील्ड ऑफ़ क्रिएटिविटी' की स्थापना की, यह ग्रुप असम के उदलगुरी जिले के आदिवासी बच्चों के साथ लगातार काम करता है।



निर्देशकीय

पिछले 6 वर्षों से संस्कार रंग टोली में बच्चों के साथ काम करते हुए मुझे एहसास हुआ कि बच्चों में उपभोक्तावाद का दौर, और यह किस तरह बच्चों की रचनात्मकता और आत्मविश्वास को दबाता है, बच्चों में जटिलताएँ पैदा करता है, ऐसे विषयों पर चर्चा होनी चाहिए। बच्चे अपने ज्ञान और स्वास्थ्य के लिए विभिन्न गतिविधियों में शामिल होते हैं, लेकिन उनके बचपन का क्या? बचपन के अपने रंग और सपने होते हैं, जिन्हें हर वह व्यक्ति समझ सकता है, जिसने अपना बचपन जिया हो। बचपन तितलियों की पीठ पर उड़ सकता है, मछलियों के साथ दौड़ लगा सकता है, कोयल से बातें कर सकता है, उसकी कल्पनाशक्ति अनंत होती है।

लेकिन उपभोक्तावाद और व्यापक स्तर पर बाज़ार का प्रभाव सबकी कल्पनाशीलता को खत्म कर देता है और उन्हें जटिलताओं में जकड़ देता है। हमारे अंदर के बच्चे को कौन छीन रहा है, हम सबके अंदर एक बच्चा है और हमें इसे नन्हे-मुन्नों के लिए जीवित रखने की ज़रूरत है। ताकि वे तितली के पंखों पर उड़ सकें, बादलों पर बिस्तर बना सकें और माचिस की डिब्बी में सूरज को कैद कर सकें।

आज बाज़ार में कई तरह के उत्पाद उपलब्ध हैं, जो बच्चों की समस्याओं को मिनटों में हल करने का दावा करते हैं, बच्चे आसानी से अपनी समस्या का समाधान ढूँढ़ लेते हैं और उसका इस्तेमाल करना शुरू कर देते हैं और उस उत्पाद के आदी हो जाते हैं, और अपना आत्मविश्वास खो देते हैं। इन्हीं बातों को बच्चों के सामने विदूषकीय रूप में पेश करने का प्रयास किया गया है।



नाट्य समूह

राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय की थिएटर-इन-एजुकेशन कंपनी (संस्कार रंग टोली) की स्थापना 16 अक्टूबर, 1989 को हुई थी और यह देश के महत्वपूर्ण शैक्षिक संसाधन केंद्रों में से एक है। इसका उद्देश्य रचनात्मक पाठ्यक्रम के विकास और विभिन्न आयु समूहों के बच्चों के लिए विशेष रूप से डिज़ाइन किए गए स्कूलों में सहभागी नाटकों के प्रदर्शन जैसी गतिविधियों को अंजाम देकर बच्चों (8-16 वर्ष) को रंगमंच के माध्यम से शिक्षित करना है।

थिएटर-इन-एजुकेशन कंपनी शिक्षकों के लिए साल भर प्रशिक्षण कार्यशालाएँ भी आयोजित करती है, ताकि बच्चों के साथ सार्थक रंगमंच बनाने में मदद मिल सके और कक्षा की स्थितियों के लिए कौशल का विकास हो सके, जिसका उद्देश्य शिक्षण/सीखने की प्रक्रिया को प्रभावी और आनंददायक बनाना है। यह बच्चों को गहन ग्रीष्मकालीन कार्यशालाओं (मई-जून) और शनिवार/रविवार क्लब (अगस्त-जनवरी) में भागीदारी के माध्यम से रंगमंच और संबद्ध कलाओं में प्रशिक्षण भी प्रदान करता है। इन शनिवार/रविवार क्लब गतिविधियों और कार्यशालाओं के माध्यम से, टोली का उद्देश्य बच्चों के एकीकृत व्यक्तित्व विकास पर है।

बच्चों के लिए प्रदर्शन, ग्रीष्मकालीन रंगमंच कार्यशाला, संडे क्लब भाग-I, संडे क्लब भाग-II, संडे क्लब भाग-III, शिक्षक कार्यशाला, कार्यशाला और महोत्सव यात्रा, जश्नबचपन, बाल संगम आदि गतिविधियाँ संस्कार रंग टोली द्वारा आयोजित की जाती हैं।

संपर्क

संस्कार रंग टोली (टीआईई कं.)

राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय

बहावलपुर हाउस, भगवानदास रोड, नई दिल्ली- 110 001

मो. : +91 011 23389054, 23031137;

ई-मेल : nsdtie@gmail.com, वेबसाइट : www.nsd.gov.in



पात्र एवं पार्श्व परिचय

मंच पर

मोमो: मोहित जैन
टोटोरो: स्वप्ना
तुंग तुंग ताहा/प्लेटी (कुत्ता): डॉ. एस. भूमिनाथन
चीनी: स्निग्धा
तीलू: राजेश्वरी
शिशु: मीनाक्षी
टोटो: पार्थ हजारिका
चीकू और गार्ड: मोहम्मद शहंशाह
गुब्बारे वाला: अमित कुमार कुशवाहा

मंच परे

सहायक निदेशक: अमित कुमार कुशवाह
मंच प्रबंधक: मोहित जैन
दृश्यबंध निष्पादन: परमानंद
वेशभूषा अभिकल्पना: बानी सैकिया
संगीत अभिकल्पना: नितिन कुमार
संगीत: दौलत कुमार
प्रकाश अभिकल्पना: धीरेंद्र कुमार
दृश्यबंध प्रभारी: एस. भूमिनाथन
मंच सामग्री प्रभारी: मोहम्मद शहंशाह
रूप सज्जा: जीतेंद्र कुमार, स्वाति
पेंटर: सिद्धार्थ मन्ना
मंच सामग्री सहायता: मन्ना भारद्वाज, शिखर तिवारी, दीपक, शिवम
भोसिकर, अखिलेश शर्मा
प्रचार विभाग: डॉ. ई. गजलक्ष्मी, प्रकाश झा, सुरेंद्र
वेशभूषा विभाग: रीना काला
प्रकाश विभाग: जोगिंदर सिंह, धीरेंद्र कुमार, किरण कुमार, राकेश कुमार
ध्वनि विभाग: नितिन, मुकेश
बढ़ईगिरी विभाग: राम अवतार मीणा, ब्रिजेश शर्मा, धर्म सिंह बिष्ट,
गोपाल, विष्णु, फ़ारुख, उमेश, बिंदर, नज्जर
दर्जी: संजय यादव (मास्टर)
परिचारक: सुनील कुमार, मो. राशिद
पोस्टर एवं ब्रोशर अभिकल्पना: सरस
प्रशासन/प्रस्तुति: हरविंदर, सोनू कुमार, शैलेन्द्र कुमार
टीआईईई समन्वयक: संदीप चौधरी
टीआईईई प्रमुख: रिकेन गोमले
अवधारणा, अभिकल्पना एवं निर्देशन: जयंत राभा



पूर्ति



NATIONAL SCHOOL OF DRAMA

भास्तर रंग महात्सव

• एक रंग - श्रेष्ठ रंग •

• ONE EXPRESSION - SUPREME CREATION •

INTERNATIONAL THEATRE FESTIVAL OF INDIA

28 JAN - 16 FEB 2025



#NSDBRM2025



nsdnewdelhi



nsd_official_



@nsd_india



NationalSchoolofDrama

राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय, नई दिल्ली

ई-मेल: festivalcell@gmail.com | Web: www.brm.nsd.gov.in